भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2149

08 मार्च, 2021 को उत्तर के लिए

इस्पात क्षेत्र के समक्ष चुनौतियाँ

2149. श्री अर्जुन लाल मीणा:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2013-14 से 2020-21 तक भारत में इस्पात उत्पादन कितना रहा है;

(ख) हाल के वर्षों में संपूर्ण विश्व के उत्पादन की तुलना में भारत का ये उत्पादन कहाँ ठहरता है;

(ग) कोविड-19 के दौरान इस्पात व्यापार के समक्ष क्या चुनौतियां आई हैं;

(घ) 2013-14 से 2020-21 तक इस्पात आयात की सूक्ष्मताएं और किराया क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने लागत, आयात, किराया और निर्माण नियंत्रण के लिए कोई मानदंड बनाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): वर्ष 2013-14 से 2020-21 (अप्रैल-जनवरी) की अवधि के लिए देश में क्रूड इस्पात की क्षमता तथा उत्पादन का विवरण नीचे दर्शाया गया है:

वर्ष	**क्रूड इस्पात (मिलियन टन में)**	
	क्षमता	**उत्पादन**
2013-14	102.26	81.69
2014-15	109.85	88.98
2015-16	121.97	89.79
2016-17	128.28	97.94
2017-18	137.97	103.13
2018-19	142.24	110.92
2019-20	142.30	109.14
अप्रैल-जनवरी, 2020-21	142.30	83.31*
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति; *अनंतिम;		

(ख): कैलेंडर वर्ष के आधार पर वर्ष 2016-2020 की अवधि के लिए विश्व तथा देश में क्रूड इस्पात उत्पादन का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	क्रूड इस्पात उत्पादन (मिलियन टन में)		
	विश्व	भारत	विश्व उत्पादन में भारत का % हिस्सा
2016	1632.78	95.48	5.8
2017	1735.88	101.46	5.8
2018	1825.49	109.27	6.0
2019	1846.39	111.35	6.0
2020*	1827.81	100.13	5.5
स्रोत: विश्व इस्पात, *अनंतिम			

(ग): कोविड-19 संबंधी लॉकडाउन की पाबंदियों के कारण इस्पात कंपनियों को कच्ची सामग्री की कमी तथा परिवहन संबंधी समस्याओं, श्रम शक्ति की सीमित उपलब्धता और तैयार इस्पात की माँग में कमी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

(घ): वर्ष 2013-14 से 2020-21 (अप्रैल-जनवरी) की अवधि के दौरान परिमाण एवं मूल्य के मामले में भारत द्वारा कुल तैयार इस्पात के आयात का विवरण नीचे दिया गया है:

वर्ष	कुल तैयार इस्पात (मिश्र धातु एवं गैर-मिश्र धातु)	
	मात्रा (मिलियन टन में)	मूल्य (करोड़ रुपये में)
2013-14	5.45	30416
2014-15	9.32	44893
2015-16	11.71	45044
2016-17	7.22	34104
2017-18	7.48	39484
2018-19	7.84	49317
2019-20	6.77	44683
अप्रैल-जनवरी, 2020-21*	3.79	25422
स्रोत: संयुक्त संयंत्र समिति; *अनंतिम		

(ङ): इस्पात के एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के कारण स्वदेशी इस्पात की कीमतों का निर्धारण माँग एवं आपूर्ति, कच्ची सामग्री की कीमतों में रुझान जैसे विभिन्न कारकों द्वारा किया जाता है तथा ये वैश्विक

परिस्थितियों से भी प्रभावित होती हैं। इस्पात के स्वदेशी उत्पादन, उपलब्धता तथा प्रयोग को बढ़ाने के लिए सरकार ने निम्नलिखित उपाय किए हैं:

(i) भारत में निर्मित इस्पात की खरीद को बढ़ावा देने के लिए स्वदेशी रूप से विनिर्मित लौह एवं इस्पात उत्पाद (डीएमआईएंडएसपी) नीति।

(ii) स्वदेशी रूप से उत्पन्न होने वाले स्क्रैप की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए इस्पात स्क्रैप नीति।

(iii) गैर-मानकीकृत इस्पात विनिर्माण तथा आयात को रोकने के लिए इस्पात गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों को जारी करना।

(iv) इस्पात आयातों के अग्रिम पंजीकरण के लिए इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस)।

(v) हाल ही में घोषित उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के अंतर्गत 'विशेषीकृत इस्पात' को शामिल करना।

(vi) उद्योग संघों तथा स्वदेशी इस्पात उद्योग के प्रमुखों सहित विभिन्न हितधारकों की समस्याओं के समाधान के लिए केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के संबंधित मंत्रालयों/विभागों द्वारा उन्हें शामिल किया जाना।

(vii) देश में इस्पात की समग्र माँग को बढ़ाने के उद्देश्य से रेलवे, रक्षा, पेट्रोलियम तथा प्राकृतिक गैस, आवास, नागरिक उड्डयन, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, कृषि तथा ग्रामीण विकास क्षेत्रों से संबंधित हितधारकों को शामिल करना।

****